देश के लिए.....अव्यवस्था के खिलाफ.....

जवाब दो!!!सरकार...

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2019/PALM/05

E-Newsletter, Issued in Public Interest

रविवार, 3 नवम्बर 2019

जयपुर शहर के आबकारी अधिकारियों की दिवाली से शराब ठेकेदारों का निकला दिवाला|

जयपुर शहर आबकारी विभाग में आये नए साहबों ने की धमाकेदार एंट्री

लगता है जयपुर में शराब ठेकेदारों के बुरे दिन सुधरने का नाम नहीं ले रहे है|पिछले 3-4 महीनों से वित्त विभाग के डिकोय ऑपरेशनों से शराब दुकानों पर होने वाली ओवररेट और रात 8 बजे के बाद होने वाली बड़ी कमाई बंद होने से शहर के शराब ठेकेदारों की कमर टूटी पड़ी थी|रही सही कसर आबकारी जयपुर शहर में आये नए अधिकारियों ने दिवाली के शुभ अवसर पर मिठाई के नाम पर शराब ठेकों से ब्रांडेड और महंगी शराब की पेटियां उठाकर पूरी कर दी|गौरतलब है कि गत माह हुए तबादलों से आबकारी जयपुर शहर में डी.ई.ओ. से लेकर आबकारी निरीक्षकों तक सभी पुराने अधिकारियों के तबादले हो चुके है,सुनने में आया था कि नये अधिकारी बेहद ईमानदार और कडक प्रवति के है,जिन्होंने आते ही ताबड़तोड़ चालान काट कर शराब ठेकेदारों को सकते में ला दिया था|कहने वाले तो यह भी कहते है कि बड़े साहब खुद दुकानों पर ओवररेट की चेकिंग करते देखे गए थे|

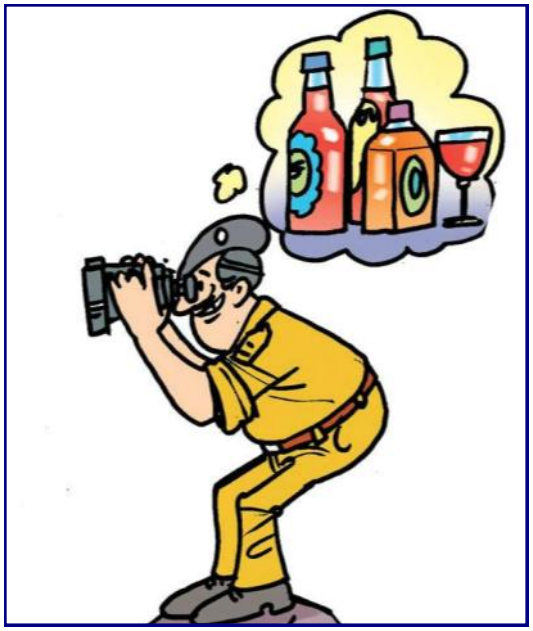

10 लाख रुपयें की शराब उठाई,जिसमे कई महंगे ब्रांड शामिल

शहर के शराब ठेकेदार तब सकते में आ गए जब दिवाली से चंद दिन पहले सरकारी गाडी आकर रुकी और महंगे ब्रांड की शराब की पेटियां गाडी में रखवाने को कहा,पहले तो कन्फर्म करने के लिए सेल्समैन ने पूछा की बोतल रखवाने के आदेश है या पेटी रखवाने के?तो हुजूरे ने अपनी बात दोहराते हुए **" पेटियों"** शब्द पर जोर दिया|और बिना देर किये जल्दी डिलेवरी देने का आदेश फरमा दिया|इसके बाद सेल्समैन कभी अपने मालिक का चेहरा देखते और कभी हुजूरे का चेहरा देखते हुए माल गाडी में लोड करवाने लगे|सरकारी गाडी जाने के बाद शराब ठेकेदारों ने आपस में कानाफूसी शुरू की जिससे पता चला कि लगभग सभी बड़े शराब ठेकेदारों से दिवाली की मिठाई के नाम पर यह वसूली की गयी है|शराब ठेकेदारों के आकलन के अनुसार शराब ठेकों से उठाई गयी शराब की कीमत 10 लाख रूपये से अधिक

है,इन महंगे ब्रांडों में Teacher Highland, Signature, 1000 Pipers, Glenfiddich शामिल है इसके साथ ही छोटे ब्रांड में Royal Challenge की पेटियां भी उठाई गयी|

दिनांक 21/10/2019 को दैनिक भास्कर में प्रकाशित खबर से साभार

आबकारी विभाग में राजधानी से ट्रांसफर हो चुके एक निरीक्षक फिर से शहर के ठेकों पर रुख करने लगे हैं। चर्चा है कि साहब ठेकेदारों से कुछ पुराना बकाया हिसाब चुकता करने के लिए तकादा कर रहे हैं। अब ठेकेदार परेशान हैं कि इन साहब से अपना पीछा कैसे छुड़ाया जाए। गौरतलब है कि साहब राजधानी में पोस्टेड रहते हुए शराब दुकानों से पानी की बोतलें उगाहने के लिए मशहूर थे। तब एक ठेकेदार ने रोज-रोज साहब की इस हरकत से परेशान होकर घर में आरओ लगवाने का तक का ऑफर दे दिया था।

गाडी पुरानी लेकिन साहब नये

पहले तो ठेकेदारों को यकीन ही नहीं हुआ और पुराने साहबों की करतूत बता कर उन्हें कोसने लगे,क्यूंकि गाड़ियों के साथ आये हुजूरे तो पुराने ही थे|अंदरखाने में बात जाने पर नए साहबों की करतूत सामने आई|पता चला कि लूट का यह माल ईमानदारी से ऊपर से लेकर नीचे बराबर बंटेगा|

ओवररेट बंद होने से आजीज आये शराब ठेकेदारों ने आर-पार की लडाई करने की ठानी

कानाफूसी करने वाले कई ठेकेदारों ने तो अधिकारियों की इस वसूली पर शर्म से आखों के साथ साथ कैमरे भी बंद किये थे परन्तु कई लोगो के पेट में अभी भी दर्द हो रहा है जिन्होंने कैमरे तो चालु रख,रखे थे अब मुहँ भी खोलना चालू कर दिया है|पुराने साहबों से चिढ़े हुए ठेकेदार अब एक प्रसिद्ध चिप्स के विज्ञापन की पंच लाईन **" टेढा है पर मेरा है यह"** याद करते हुए नए अधिकारियों को कोस रहे है और कह रहे है की पुराने साहब तो पानी से ही काम चलाते थे नए तो उनसे 10 कदम आगे चलकर " नीट" पीने में विश्वास करते है|सुनने में आया है कि पहले ही ओवररेट से आजीज आये ठेकेदारों में से कई तो आर-पार की लडाई के साथ मौके की तलाश में गम खाए हुए बैठे है,और नए साहबों के पुराने किस्से खंगालने में लग गए है|

गिफ्ट,मिठाइयों और शराब की पेटियों से भरी एक सरकारी गाडी को अलवर की तरफ भी जाते देखा गया

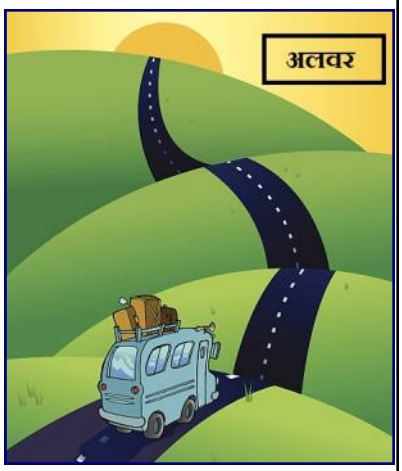

कहने और देखने वालों का तो यह भी कहना है कि उन्होंने गिफ्ट,मिठाइयों और शराब की पेटियों से भरी एक सरकारी गाडी को अलवर जाते देखा है,जिसकी प्रमाणिकता तो निष्पक्ष जांच से ही सामने आ सकती है|परन्तु सवाल यह है कि जाँच करेगा कौन?क्यूंकि एक कहावत है कि **"चौर चौर मौसेरे भाई"**

आखिर क्यों बड़े साहब जानकारी होते हुए भी कार्यवाही करने से कतरा रहे है?

ऐसा नहीं है कि नए साहब को इस लूट की जानकारी नहीं है,उनके द्वारा भी अपने विश्वस्त सूत्रों से उगाहे माल की जानकारी अंदरखाने से मालुम करवाई जा रही है|क्यूंकि आबकारी विभाग के सयाने लोग आधी बात ही करने में माहिर है|परन्तु उनकी यह चुप्पी दाल में काले की नहीं पूरी दाल ही काली होने की तरफ इशारा कर रही है|

कहाँ गयी आबकारी विभाग की पल पल की खबर ट्विट करने वाली मिडिया?

जानकार बताते है कि शराब की कई बोतले उन मिडियाकर्मियों को भी बांटी गयी है जो पुराने साहबों के किसी दूकान की तरफ छींकने की खबर पर भी ट्विट कर देते थे और गाहे बेगाहे ख़बरों के जरिये उन्हें गरियाते रहते थे|नए साहबों से मिडिया की जल्दी दोस्ती का ही नतीजा है कि इतनी बड़ी खबर सुर्ख़ियों में आने से रह गयी|